प्रेषक

राजेन्द्र सिंह. उप सचिव उत्तराचल शासन।

रोवा स

निदेशक प्राचेशिक शिक्षा उत्तराचल श्रीनगर गढवाल।

शिक्षा अनुभाग ७ (तकनीको)

देहरादून दिनांक 13 नवम्बर,2006

विषय:- राजकीय पालीटेक्निक कोटद्वार के छात्रावास तथा आवासीय भवन के निमार्ण हेतु धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

गहोदय.

उपर्युका विषयक आपके पत्रांक -1747/नि.प्राशि./ प्लान-छ-1/2008-07 विनांक 21.9.2006 के कम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि राज्यपाल महादय राजकीय पालीटेविनक कोटद्वार के खात्रावास तथा आवासीय भवन के निर्माण हेतु उठप्रठ राजकीय निर्माण निगम इकाई हरिद्वार द्वारा गठित आगणन २० 377.85 लाख (रुपये तीन करोड़ सत्तक्तर लाख पिच्यासी हजार मात्र) के आगणन पर प्रशासनिक एवं विलीय स्वीकृति प्रवान करते हुए इस विलीय वर्ष 2008-07 में २० 18.87 लाख (रुपये अतान्त लाख सत्तामी हजार मात्र) वी विलीय स्वीकृति प्रवान करते हैं।

- 2— आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीराण अभिवन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार मांव से ली गयी है, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।
- उन कार्य कराणे से पूर्व विस्तृत आगणन / मानश्चित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी,विना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ ग किया जाय।
- 4- कार्य पर उत्तना ही व्यव किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि म किया जाय।
- 5- एक नुश्त प्राविधान में कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर निधमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रथलित दरों / विशिष्टयों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का मली-भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेल्ता के साथ अवस्य करा लें। निरीक्षण के परचात स्थल आवस्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 8- आगणन में जिन मदी हेंदु जो राशि स्वीकृति की गयी है. उसी मद पर ज्वय किया जाए। एक मद की राशि का दूसरी मद में ज्वय कदापि न किया जाय।

- मिमांण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री की प्रयोग लाया जाए।
- 10— जी.पी. डब्ल्यू फार्म- क्र की शर्ती के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा. समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से बण्ड क्सूल किया जायेगा।
- गा- मुख्य सचिव, उत्तरांबल शासन के शासनादेश सख्या-2047,XIV-219 (2006) दिनांक 30,5,2006 द्वारा निगंत आदेशों के कम में कार्य कराते समय अधवा आंगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कथ्ट करें।
- 12- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन महित करते समय स्वीकृत शाहक्य एवं नार्मस के अनुसार महित किया जाव तथा उसकी सूचना प्रशासनिक दिमाग को भी दे।
- 13— वदि स्वीकृत अन्सरि। में रुवल विकास कार्य सम्भव न हो, तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आंगणन मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, स्थीकृति सशि से अधिक कवापि न किथा जाय।
- 14— इस समय में होने वाला व्यय मालू विलीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत तथाशीर्षक- 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिध्यप- 02- तकनीवी शिक्षा-104- यहुशिस्प - आयोजनागत- 06 -कोटडार पालीठ हेतु भूमि कय/भवन निर्माण-00-24-वृहद निर्माण हार्य के नामें डाला जायेगा।
- 15- वह आदेश विस्ता विभाग के असासकीय संख्या-1078 / बिठ अनु0-3 / 2006 दिगाक 10:11:2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय (राजन्द सिंह) उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

- 1 महालेखाकार उत्तराचल देहरादून।
- 2 निजी सचित माठ तकनीकी शिक्षा मंत्री उत्तरावल शासन।
- 3 जिलाधिकारी कोषाधिकारी पौडी
- परियोजना प्रवन्धक उ०प० राजकीय निर्माण निगम हरिद्वार।
- 5 विता अनुभाग-3/ निश्राजन अनुभाग।
- 6 आयक्त गढवाल मण्डल पौडी।
- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सविवालय परिसर, देहरादन।
 - 8 वजट राजकाणीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहराद्न।
- 9 गाउँ फाईल

(सजीव कुमार शर्मा) अनु सचिव